1043

INDIA NON JUDICIAL

५००० रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

1908 की धारा 46 (1) पि०

1899 की अनुसूची 23 I-A with the permission by L.R.D.C. Simdega vide case No. 297/2012-13 order dated 21-05-13

22.11.13

§1§ लेख्यकारी:- श्री बिमल ग्रेगोरी तोपनो पिता स्व0 मार्शल अलोसियुस तोपनो, जाति- मुण्डा, पेशा- नौकरी, निवास ग्राम- गोतरा सामटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

...... विक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 695/2013

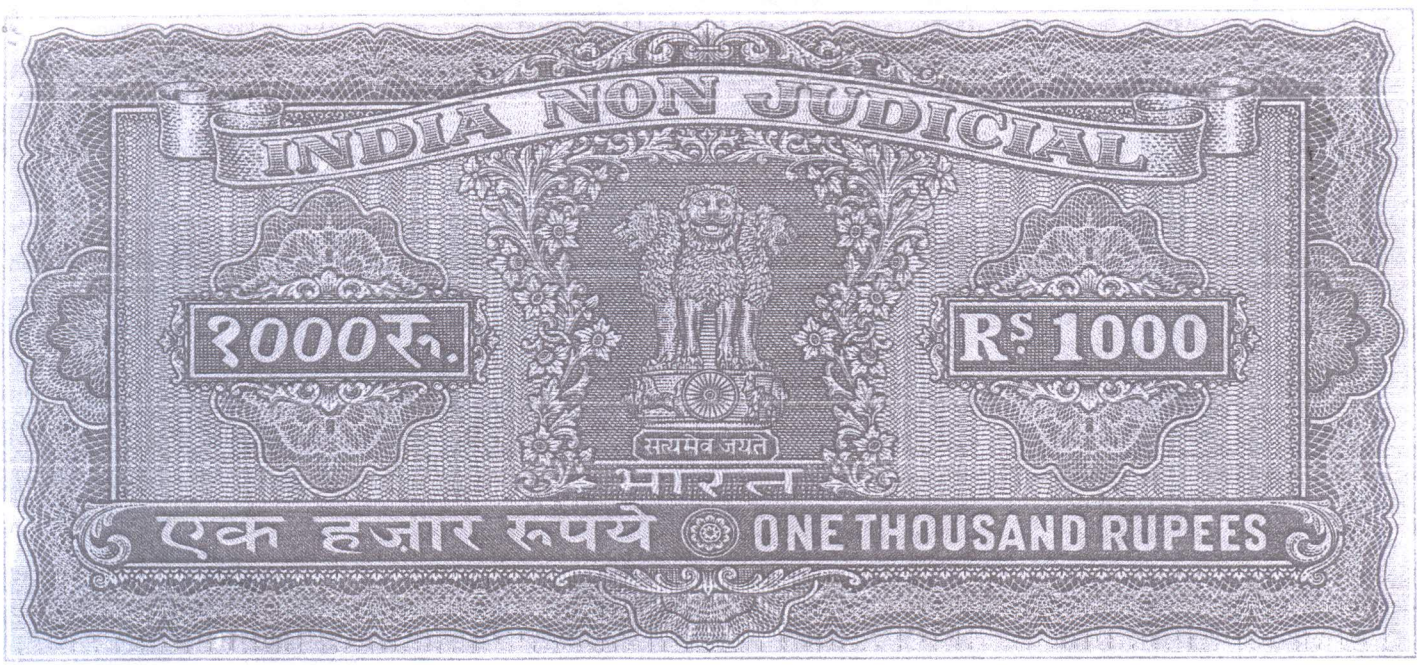

§2§ लेखयधारिणी:- ग्लोरिया सुसाना टेटे पति श्री जुवेनसियुस टेटे, जाति- खड़िया, पेशा- नौकरी, निवास ग्राम- रूगड़ाबहार, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 696/2013

§3§ लेखयप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

§4§ मूल्य:- मोबलिग एक लाख अस्सी हजार रूपये अंके 1,80,000/- रूपये होता है । निर्धारित मूल्य 2,80,000/- रूपये ।

§5§ सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- गोतरा भन्डूटोली, थाना- सिमडेगा, थाना नं0 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 57 §सनतावन§ प्लॉट नं0 4737 §सैंतालिस सौ सैंतिस§ रकबा 0.07 एकड़ §सात डिसमिल§ वो प्लॉट नं0 4738 §सैंतालिस सौ अड़तीस§ रकबा 0.02 एकड़ §दो डिसमिल§, कुल एक खाता के दो प्लॉट का जुमला रकबा 0.09 एकड़ §नौ डिसमिल§ शहरी क्षेत्र के चार भागों में से विक्रय वाली जमीन आवासीय क्षेत्र में पड़ता है जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नहीं है ।

जिसकी जुमला चौहद्दी:-

उत्तर:- इसी प्लॉट में छोड़ा गया 5 फीट का कच्चा रास्ता,

दक्षिण:- इसी प्लॉट में छोड़ा गया 5 फीट का कच्चा रास्ता,

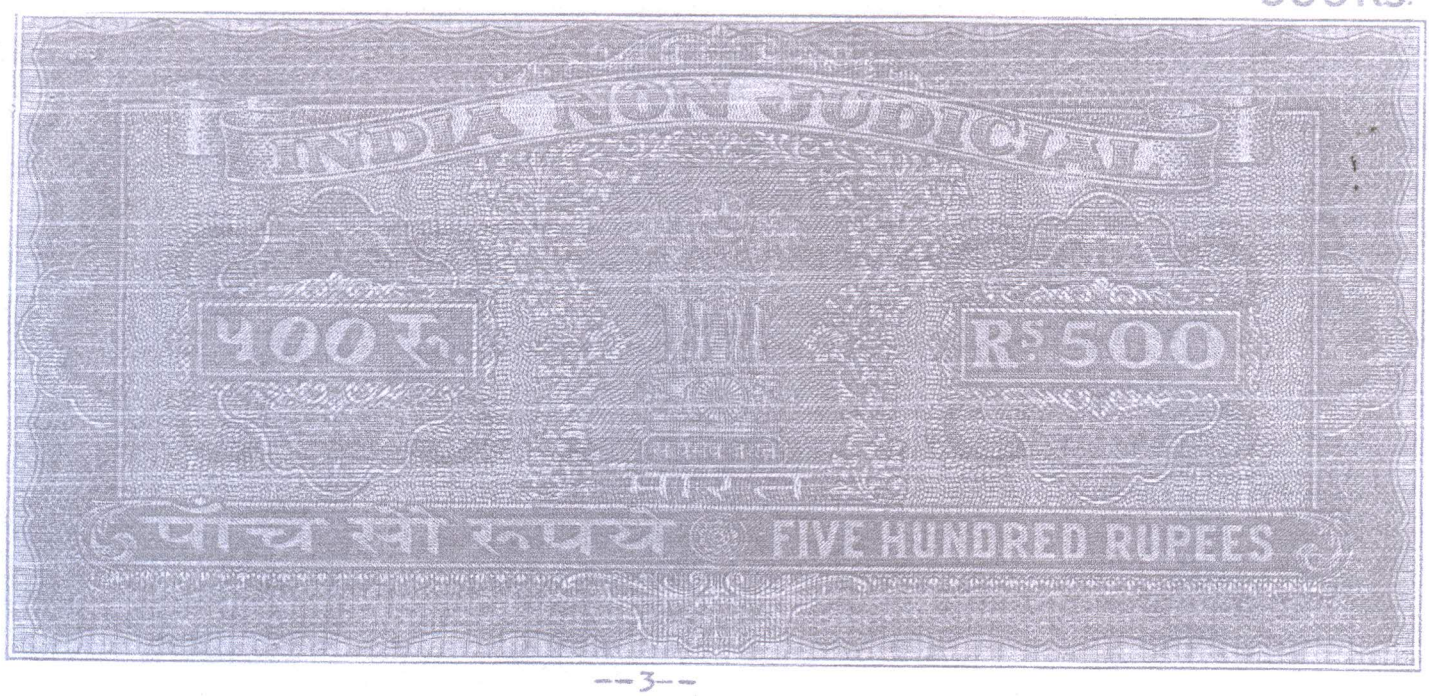

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

पूरब :- सुशीला कन्डुलना का मकान,

पश्चिमः- इसी प्लॉट का अंश हाल खरीदगी विजय टेटे ।

मालगुजारी 3 पैसा (तीन पैसा) अलावे सेस सलाना ।

(1) चूँकि मुझ लेख्यकारी को मकान बनाने एवं अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे बगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

(2) इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उक्त लेख्यधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

(3) मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि विक्रीत वर्णित जमीन मेरी दादी सुसाना तोपनो की खरीदगी जमीन है जिसे उन्होंने निबंधित केवाला संख्या 91 दिनांक 27.2.1941 के द्वारा हासिल की है । मेरी दादी एवं पिताजी की मृत्यु हो चुकी है । उनकी मृत्यु के बाद जमीन का आपसी मौखिक भैयादी बँटवारा हो चुका है । जो जमीन मैं बेच

500Rs.

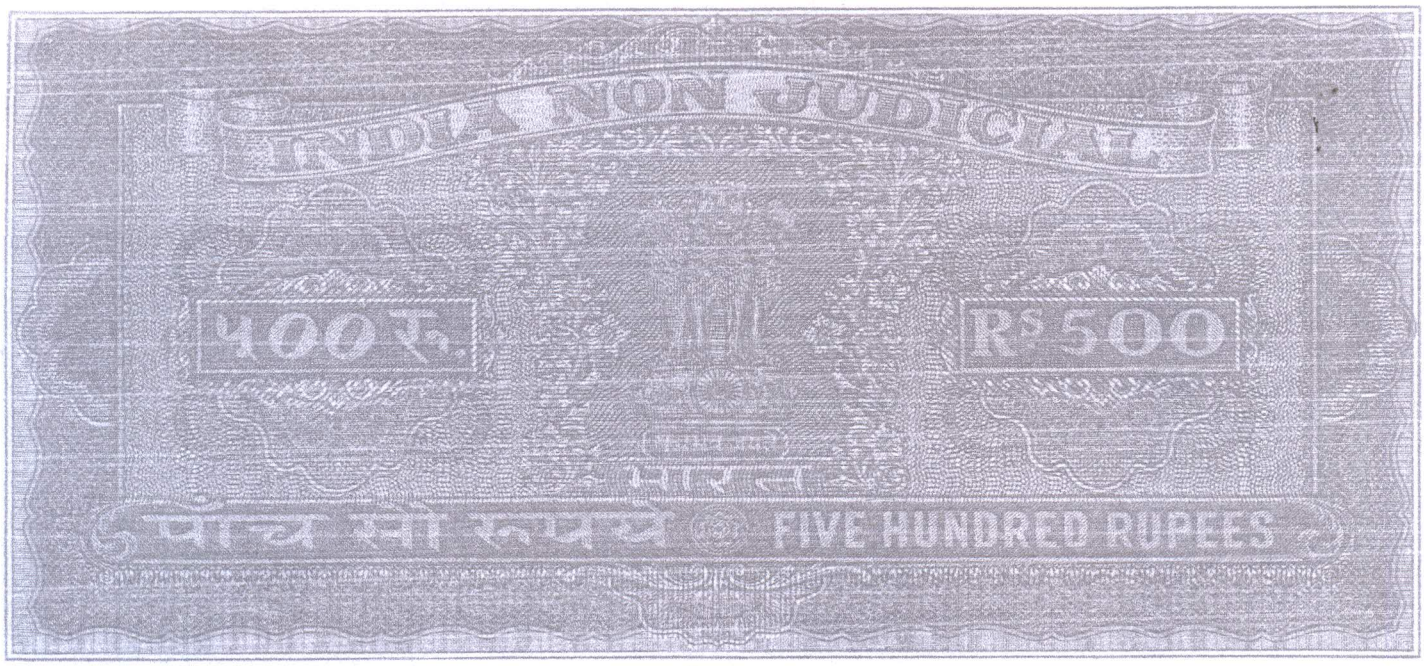

रहा हूँ मेरे निज हिस्से की जमीन है जिसपर मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और किसी प्रकार का वाद या झगड़ा झंझट नहीं है ।

§4§ चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 297/2012-13 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 21.05.2013 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं0 555§।।§ दिनांक 21.05.2013 है ।

§5§ अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§6§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

उक्त बिक्री की जानेवाली जमीन भू-हदबंदी, कैसरे हिन्द, खास महल, खैरात, लीज, भू-दान, बंदोवस्ती, गैर मजरूआ के तहत नहीं है ।

१०० रु. Rs 100

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

--5--

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

ग्रेगोरी तोपनो
22/11/2013

प्रमाणित किया जाता है कि ग्रेगोरी तोपनो ने अपने बायें हाथ के पांचों अंगुलियों का छाप मेरे सामने दिया।

22-11-13

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

ग्लोरिया एस. टेटे
22/11/13

प्रमाणित किया जाता है कि ग्लोरिया सुसाना टेटे ने अपने बायें हाथ के पांचों अंगुलियों का छाप मेरे सामने दी।

22-11-13

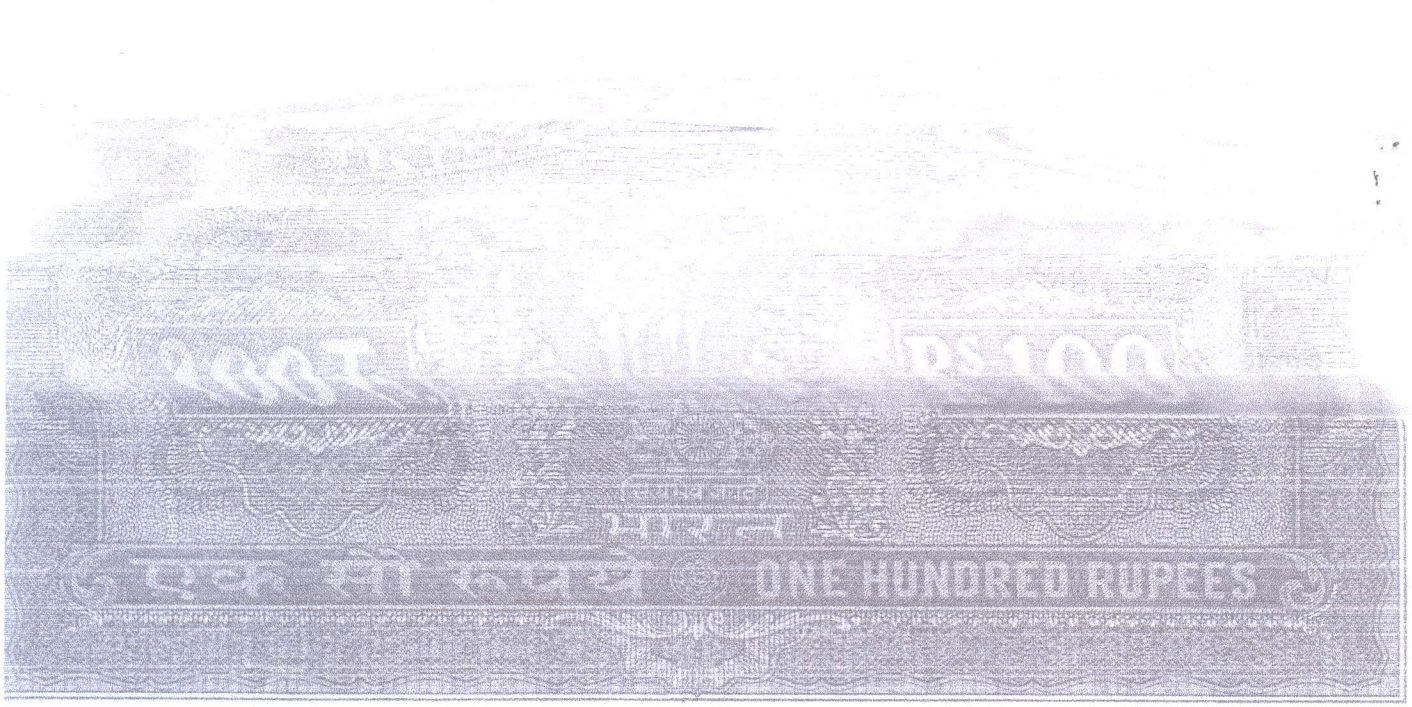

भारत
एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- [signature]
22-11-13
(प्रारूपकर्त्ता)
तारीखः-

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल छः पृष्ठों में कुल 648 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्सा सहित है ।

टंकक
मो0 मकसुद

मो0 मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

INDIA NON JUDICIAL
१000रु.
Rs 1000
सत्यमेव जयते
भारत
एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

7

22/11/2013